இந்தியன் வங்கி
इंडियन बैंक
Indian Bank

உங்கள் வங்கி • आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK

वार्षिक रिपोर्ट / ANNUAL REPORT 2016-17

“புதிய இந்தியா”வை உருவாக்க
இந்தியன் வங்கி
டிஜிட்டல் மயமாகிறது.

“नए भारत” के निर्माण
के लिए **इंडियन बैंक**
बना डिजिटल

Indian Bank goes digital to create “New India”

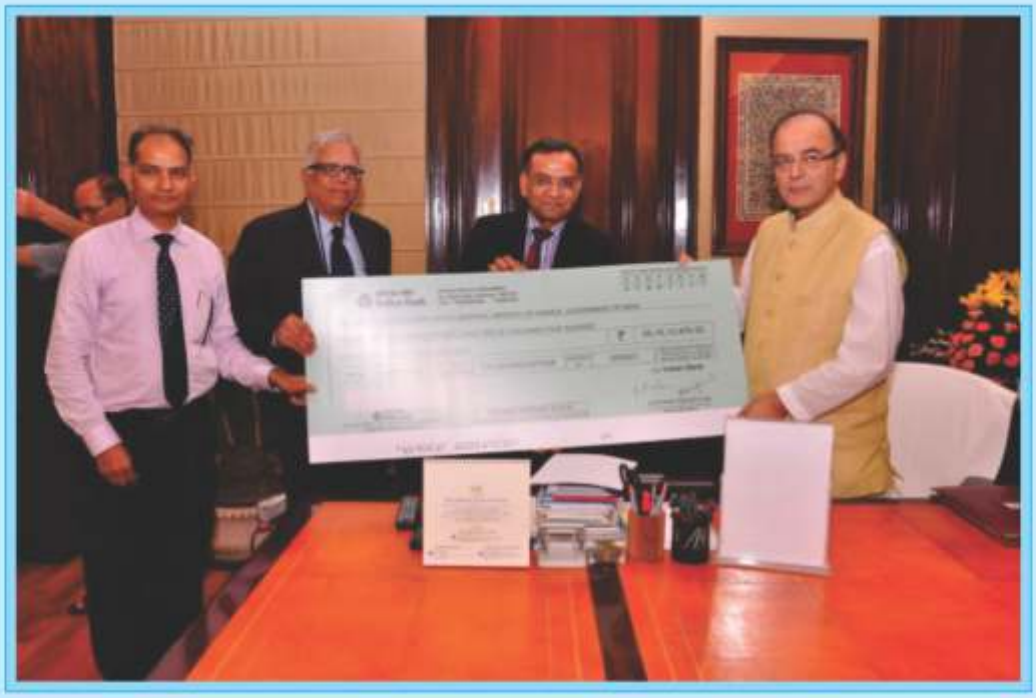

श्री महेश कुमार जैन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अरुण जेटली, माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार को लाभांश चेक सौंपते हुए।

Shri. Mahesh Kumar Jain, MD & CEO handing over the dividend cheque to Shri. Arun Jaitley, Hon'ble Union Finance Minister, Government of India.

स्वर्ण भारत ट्रस्ट, विजयवाड़ा में श्री वैंकय्या नायडु, माननीय केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में दीप – प्रज्ज्वलन करते हुए श्री ए. एस. राजीव, कार्यपालक निदेशक

Lighting of lamp by Shri A.S Rajeev, Executive Director in the presence of Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Union Minister for Urban Development, Government of India at Swarna Bharat Trust, Vijayawada.

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

टी. सी. वेंकट सुब्रमणियन
गैर कार्यपालक अध्यक्ष
T C VENKAT SUBRAMANIAN
NON-EXECUTIVE CHAIRMAN

किशोर खरात
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
KISHOR KHARAT
MANAGING DIRECTOR & CEO

ए एस राजीव
कार्यपालक निदेशक
A S RAJEEV
EXECUTIVE DIRECTOR

एम. के. भट्टाचार्य
कार्यपालक निदेशक
M K BHATTACHARYA
EXECUTIVE DIRECTOR

मुदिता मिश्रा
MUDITA MISHRA

जे के दाश
J K DASH

विजय कुमार गोयल
VIJAY KUMAR GOEL

पद्मनाभन विट्ठल दास
PADMANABAN VITTAL DASS

विनोद कुमार नागर
VINOD KUMAR NAGAR

श्रीराम रामचन्द्रन
SRIRAM RAMACHANDRAN

महाप्रबन्धक / GENERAL MANAGERS

एस के परिदा
S K Parida

उदय भास्कर रेड्डी के
Udaya Bhaskara Reddy K

धर्मराज पी
Dharmaraj P

नागराजन एम
Nagarajan M

चेळियन एस
Chezhian S

पार्थसारथी बी
Parthasarathy B

मणिमारन आर
Manimaran R

कृष्णन एस
Krishnan S

प्रशांत वी ए
Prasanth V A

लक्ष्मीपति रेड्डी जी
Lakshmipathy Reddy G

गोपाल वी
Gopal V

वेंकटेस पेरुमाल पी
Venkatesa Perumal P

आजाद सिंह गंडस
Azad Singh Gandas

कार्तिकेयन एम
Karthikeyan M

चन्द्रा रेड्डी के
Chandra Reddy K

रामू ए
Ramu A

रवि एस
Ravi S

बालसुब्रमणियन आर
Balasubramanian R

रेंगराजन एस
Rengarajan S

देवराज डी
Devaraj D

कॉर्पोरेट कार्यालय : **254 - 260** अव्वै षण्मुगम सालै
Corporate Office : 254-260, Avvai Shanmugam Salai
चेन्नै **Chennai - 600 014**

वार्षिक रिपोर्ट **Annual Report 2016-17**

निष्पादन की प्रमुख बातें **PERFORMANCE HIGHLIGHTS**

(₹ करोड़ों में) (₹ in crore)

विवरण Particulars	31-03-13	31-03-14	31-03-15	31-03-16	31-03-17
कुल व्यापार Total Business	249136	286634	298057	310918	314654
जमाएं (ग्लोबल) Deposits (Global)	141980	162275	169225	178286	182509
अग्रिम (ग्लोबल) Advances (Global)	107156	124359	128832	132632	132145
निवेश (सकल) Investments (Gross)	42056	47635	46804	53418	67956
ब्याज आय Interest Income	13898	15249	15853	16244	16040
गैर ब्याज आय Non Interest Income	1283	1372	1363	1781	2211
कुल आय Total Income	15181	16621	17216	18025	18251
ब्याज व्यय Interest Expenses	9368	10889	11391	11798	10894
परिचालनगत व्यय Operating Expenses	2751	2831	2811	3195	3356
कुल व्यय Total Expenditure	12119	13720	14202	14993	14250
परिचालनगत लाभ Operating Profit	3061	2901	3014	3032	4001
निवल लाभ Net Profit	1581	1159	1005	711	1406
जमाओं की लागत (%) Cost of Deposits (%)	7.07	7.15	7.10	6.76	6.03
अग्रिमों पर प्रतिफल (%) Yield on Advances (%)	11.03	10.38	10.19	9.63	9.17
निवल ब्याज मार्जिन (%)Net Interest Margin (%)	3.09	2.60	2.50	2.33	2.59
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Average Assets (%)	1.02	0.67	0.54	0.36	0.67
ईक्विटी शेयर पूंजी Equity Share Capital	430	465	480	480	480
स्थायी गैर–संचयी अधिमान शेयर पूंजी Perpetual Non-Cumulative Preference Share Capital	400	0	0	0	0
रिज़र्व एवं अधिशेष (पुनर्मूल्यन रिज़र्व को छोड़कर) Reserves & Surplus (excluding Revaluation Reserve)	10009	11071	12078	12998	13981
निवल संपत्ति Net Worth	10839	11536	12558	13478	14461
सकल एनपीए (%) Gross NPA (%)	3.33	3.67	4.40	6.66	7.47
निवल एनपीए (%) Net NPA (%)	2.26	2.26	2.50	4.20	4.39
पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio					
- बेसल II - Basel II	13.08	13.10	13.24	13.67	-
- बेसल III - Basel III		12.64	12.86	13.20	13.64
प्रति शेयर अर्जन (₹) Earnings Per Share (₹)	35.80	26.07	21.62	14.81	29.27
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) Book Value per Share (₹)	242.89	248.16	261.46	280.63	301.10
प्रति ईक्विटी शेयर लाभांश (₹) Dividend per Equity Share (₹)	6.60	4.70	4.20	1.50	6.00*
शाखाओं की संख्या (नंबर) No. of branches (Nos.)	2092	2253	2412	2565	2682
कर्मचारियों की संख्या (नंबर) No. of employees (Nos.)	18870	19429	20294	20140	20924
प्रति कर्मचारी कारोबार (₹ लाखों में) Business per employee (₹ in lacs)	1301	1453	1443	1531	1488

* प्रस्तावित Proposed

लेखा परीक्षक AUDITORS

जी बालु एसोसियेट्स
G BALU ASSOCIATES

पदमनाभन रमणी एण्ड रामानुजम
PADMANABHAN RAMANI & RAMANUJAM

प्रकाश चंद्र जैन एण्ड कं
PRAKASH CHANDRA JAIN & CO.

गांधी मिनोछा एण्ड कं
GANDHI MINOCHA & CO.

पीएएमएस एसोसियेट्स
PAMS ASSOCIATES

कॉर्पोरेट कार्यालय : 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
Corporate Office : 254-260, Avvai Shanumugam Salai
चेन्नै Chennai - 600 014

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2016-17

विषयवस्तु CONTENTS

	पृष्ठ सं.		Page No.
अध्यक्ष का संदेश	1	Chairman's Message	3
प्रनि एवं मुकाअ का संदेश	5	MD & CEO's Message	9
निदेशकों की रिपोर्ट	14	Directors' Report	15
प्रबन्धन विचार विमर्श एवं विश्लेषण	46	Management Discussion and Analysis	47
कॉर्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट	130	Report on Corporate Governance	131
कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	168	Auditors' Certificate on Corporate Governance	169
वित्तीय विवरण – इंडियन बैंक		**Financial Statements – Indian Bank**	
• तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	172	• Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	172
• मुख्य लेखाकरण नीतियां	182	• Significant Accounting Policies	183
• लेखों पर टिप्पणियां	192	• Notes on Accounts	193
• लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	252	• Auditors' Report	253
समेकित वित्तीय विवरण		**Consolidated Financial Statements**	
• तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	256	• Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	256
• मुख्य लेखाकरण नीतियां	264	• Significant Accounting Policies	265
• लेखों पर टिप्पणियां	278	• Notes on Accounts	279
• लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	304	• Auditors' Report	305
अतिरिक्त प्रकटीकरण	306	Additional Disclosures	307

इंडियन बैंक
निवेशक सेवाएं कक्ष
संख्या. 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
रायपेट्टा
चेन्नै – 600 014
दूरभाष सं 044 28134076; Fax No.044 28134075
ई–मेल : investors@indianbank.co.in

Indian Bank
Investor Services Cell
No.254-260, Avvai Shanmugam Salai
Royapettah
Chennai - 600 014
Tel No. 044 28134076; Fax No. 044 28134075
E – Mail : investors@indianbank.co.in

शेयर अंतरण एजेंट
केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज़ लिमिटेड
यूनिटः : इंडियन बैंक
सुब्रमणियन बिल्डिंग, 1, क्लब हाउस रोड
चेन्नै – 600 002
दूरभाष सं. 044 28460718; फैक्स सं. 044 28460129
ई–मेल : investor@cameoindia.com

Share Transfer Agent
Cameo Corporate Services Limited
Unit : Indian Bank
Subramanian Building, 1, Club House Road
Chennai - 600 002
Tel No. 044 28460718; Fax No. 044 28460129
E – Mail : investor@cameoindia.com

अध्यक्ष का संदेश

श्री टी सी वेंकटसुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे निदेशक मंडल की ओर से, आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2016–17 में हुए बैंक के निष्पादन की मुख्य बातों को पेश करने में हर्ष हो रहा है।

आपके बैंक द्वारा प्राप्त की गयी उपलब्धियों तथा ली गई पहलुओं के संबंध में विवरण इसके साथ संलग्न वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है।

अनूठे तथा विकसित परिस्थिति में, मैं अपने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ क्योंकि उन्होंने अपने विश्वास को हमारे प्रति बनाए रखे हैं। मुझे इसे रिपोर्ट करने में खुशी है कि बाजार मूल्य के संबंध में सएशिया में उत्तम निष्पादन करनेवालों में हमारा बैंक एक है जब बैंकिंग क्षेत्र में आर्थिक अस्थिरता जूझ रहा है। आपका बैंक अपने सह–पीढ़ियों के बीच लगातार बेहतर निष्पादन कर रहा है और अगुआ बनने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

> **''डिजिटल भारत, भारतीय आर्थिक विकास की पथ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा जिसके साथ सुधारयुक्त निवेशक विश्वास, कम खाद्यान्न कीमत तथा बेहतर नीति होगी।**

बैंकिंग क्षेत्र का निष्पादन :

वर्ष के दौरान भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को आर्थिक मंदी तथा सार्वजनिक क्षेत्रक बैंक के तुलन–पत्रों में बढ़ती हुई एनपीए के कारण अहम परिस्थितियों को सामना करना पडा। इसके परिणामस्वरूप, आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए महत्व दिया गया और कई बैंकों द्वारा वृद्धि की ओर सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण लिया गया। आपके बैंक ने आस्ति संविभाग को संतुलित करने हेतु कॉर्पोरेट से रिटेल तथा मिड कॉर्पोरेट खंड का संमिश्रण मार्ग बनाने के लिए भरसक प्रयास लिया है। खुदरा व्यापार के लिए अधिक ध्यान दिया गया और कॉर्पोरेट ऋण के लिए चयनीत दृष्टिकोण अपनाया गया चूँकि इस ऋण के लिए आवश्यक जोखिम चाव को मेल खाया गया।

रणनीति के कदम में, बैंक ने अपने अनुभव के आधार पर मार्टगेज ऋण, एसएमई ऋण तथा अन्य खुदरा ऋण के तीन पृथक वर्टिकल्स का सृजन करके अपने को रिटेल तथा **मिड़–सेगमेंट पर ध्यान केन्द्रित करनेवाले मिड–साइज बैंक का रूप धारण करने का निर्णय लिया।** इस उद्देश्य की ओर, विशेषीकृत शाखाएँ खोली गयी तथा उन्हें रिटेल सेक्टर यथाः इन्ड–रिटेल, इन्ड–एमएसएमई, इन्ड–मिड कॉर्पोरेट में वृद्धि लाने हेतु तथा कम समयावधि में एंड टु एंड सोल्यूशन'' प्रदान करने हेतु ध्यान केन्द्रित किया गया।

सामान्य कारोबार के अलावा, बैंक ने हमेशा अपने ध्यान को राष्ट्रीय ध्येय की ओर रखा है। मुझे इसे घोषित करने में हर्ष हो रहा है कि बैंक ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अधीन हरेक वर्ग में अपने सभी राष्ट्रीय ध्येय को पार कर लिया है यथाः प्राथमिकता प्राप्त अग्रिम के अधीन 42.31 प्रतिशत (अनिवार्य 40 प्रतिशत), कृषि में 19.95 प्रतिशत (18 प्रतिशत), कमजोर वर्ग को अग्रिम 12.08 प्रतिशत (10 प्रतिशत) तथा एमएसएमई के अधीन माइक्रो उद्यम को ऋण 7.87 प्रतिशत (7 प्रतिशत) ।

आर्थिक परिदृश्य – वैश्विक

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुधारयुक्त नीति परिदृश्य की पृष्ठभूमि में वैश्विक आर्थिक परिदृश्य 2016 से काफी हद तक सुधार हुआ है। आईएमएफ ने अपने विश्व आर्थिक परिदृश्य (डबल्यू ई ओ) में 2017 की वैश्विक वृद्धि में 3.5 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी को आकलन किया है और यह 2018 में 3.6 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। तथापि, संरक्षणवाद की बढ़ती हुई खतरा चिन्ता की बात है क्योंकि यह विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार संघर्ष को उत्पन्न कर सकता है।

विकसित अर्थ व्यवस्थाओं में वृद्धि, युनाइटेड स्टेस में सुदृढ़ वसूली की पृष्ठभूमि में वहाँ के प्रस्तावित वित्त तेजीपन, नीति दिशानिर्देश, सुधारयुक्त नियोजन ऑकडे और मुद्रास्फीति की परिदृश्य के कारण बढ़ने की संभावना है। युनाइटेड किंगडम में वृद्धि सुदृढ़ होगी (जून 2016 में ब्रिकसिट निर्णय के बाद सुधार हुआ है) तथा सुदृढ़ निर्यात निष्पादन के कारण जापान में आर्थिक क्रियाकलाप बढ़ा है। यूरोप और एशिया में विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए सामान्य परिदृश्य सकारात्मक रहेगा चूँकि इनमें सब अर्थ व्यवस्थाएँ आर्थिक क्रियाकलाप में चक्रवृत्ति सुधार करनेवाली हैं।

वर्ष 2017 और 2018 में उभरनेवाली और विकासशील अर्थ व्यवस्थाएँ क्रमश 4.5 प्रतिशत तथा 4.8 प्रतिशत वृद्धि करने की प्रत्याशा है। जबकि विकासशील अर्थ व्यवस्थाओं के लिए सामान्य परिदृश्य सकारात्मक है, पर देश–वार के लिए परिदृश्य कुछ और है। चीन सुदृढ़ नीति सहयोग के कारण सकारात्मक वृद्धि दर्शानेवाली है जबकि भारत, नोटबंदी के बाद तेजीपन लाने की दिशा में है।

आर्थिक परिदृश्य – देशी

देशी अर्थ व्यवस्था की भविष्यवाणी सटीक नहीं रहेगा, अगर नोटबंदी के असर और उसके प्रभाव का समाधान नहीं किया जाता है। सरकार द्वारा लिये गये यह कदम एतिहासिक है क्योंकि बृहत रूप में आर्थिक सुधार का न केवल शुरुआत हुई है, पर यह भ्रष्टाचार की बढ़ती सामाजिक –आर्थिक बुराई को बंद करेगा।

केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के द्वितीय अग्रिम प्राक्कलन द्वारा जारी नवीनतम सकल देशी उत्पाद (जीडीपी) के अनुसार, जीडीपी (स्थिर कीमतें) में वृद्धि, वर्ष 2015–16 के 7.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2016–17 के लिए 7.1 प्रतिशत होना चाहिए। जबकि योजित सकल मूल्य (जीवीए) मूल कीमत में वर्ष 2015–16 की तुलना में वर्ष 2016–17 में 6.7 प्रतिशत बढ़ने की प्रत्याशा है। तीसरी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि प्रत्याशा से अधिक था, जब अर्थव्यवस्था में नोटबंदी हुई। जीडीपी पर नोटबंदी के सीमांत प्रभाव का दो कारण हो सकते हैं यथाः असंगठित क्षेत्र का असर पूर्ण रूप से नहीं लिया गया (इसमें बृहत रूप में असर पडा है क्योंकि यह प्रमुख रूप से नकद आधारित था) और खपत शॉक को सुलझने के लिए डिजिटल चैनल के जरिए लेनदेनों में तीव्र बढ़ोत्तरी हुई है।

सकल देशी उत्पाद (जीडीपी), वर्ष 2015–16 के लिए 7.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2016–17 में 7.1 प्रतिशत वृद्धि होने की प्रत्याशा है। वर्ष 2016–17 के लिए जीवीए की तुलना में जीडीपी में संबंधित उच्चतर वृद्धि, नोटबंदी अवधि के दौरान हुई मजबूत कर वसूली के कारण है जब पुराने नोटों के जमाखोरों को कर भुगतान करने के लिए अनुमत किया गया था।

चालू वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए परिदृश्य, नोटबंदी के परिवर्ती प्रभाव के पश्चात प्रासंगिक है, जीएसटी का रोलआउट, 7वीं केन्द्रीय वेतन आयोग के असर और देशी आर्थिक विकास पर वैश्विक आर्थिक नीतियों के असर आदि पर आधारित है। ये सभी कारक आनेवाले वर्ष में आर्थिक विकास को आकार देने में साथ काम करेंगे।

बैंक के कारोबार एवं वित्तीय उपलब्धियां

इस परिदृश्य में मैं प्रमुख क्षेत्रों में, बैंक द्वारा किए गए निष्पादन की मुख्य बातों का अवलोकन करना चाहता हूँ।

31 मार्च 2017 को बैंक के कारोबार 1.20 प्रतिशत बढ़कर रुपये 3,14,654 करोड़ हो गया, जबकि जमाओं में वृद्धि रुपये 4223.44 करोड़ से बढ़ी है या 2.37 की वृद्धि से रुपये 1,82,509 करोड़ हो गया है एवं अग्रिम रु 1,32,145 करोड़ रहा।

वित्तीय वर्ष 2016–17 हेतु बैंक का परिचालनगत लाभ रुपये 4000.71 करोड़ रहा, जबकि निवल लाभ रुपये 1405.68 करोड़ है।

31 मार्च 2017 को बैंक की निवल मालियत रुपये 14,461.59 करोड़ तक बढ़ गई है ।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए प्रति शेयर आय तथा प्रति शेयर अंकित मूल्य क्रमशः रुपये 29.27 और रुपये 301.10 रहा । वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए इक्विटी पर प्रतिलाभ 9.97 प्रतिशत रहा ।

31 मार्च 2017 को बेसल III के अधीन बैंक की वित्तीय स्थिरता सीआरएआर (जोखिम भारित आस्ति की तुलना में पूंजी का अनुपात) के अनुसार 13.64 प्रतिशत पर मजबूत था । बैंक इस अनुपात के संबंध में लगातार शिखर स्थिति पर है तथा पर्याप्त रूप से पूंजी प्राप्त है ।

बैंकिंग क्षेत्र – वित्तीय वर्ष 2017–18 में चुनौतियां और अवसर

भारिबैंक द्वारा किए गए आस्ति गुणवत्ता की समीक्षा के बाद कई बैंकों ने अपनी तुलन पत्रों को ठीक करने के उपरांत तनाव की लंबी अवधि के बाद बैंकिंग क्षेत्र में संभावनाएं दिखाई देने लगी हैं। विमुद्रीकरण को, धन्यवाद, प्रचुर मात्रा में तरलता तथा मजबूत राजकोष आय के साथ बैंक समृद्ध हो गया है क्योंकि इन अतिरिक्त निधियों ने बॉन्ड प्रतिफल को कम करते हुए मुद्रा बाजार में अपना रास्ता खोज लिया है। बैंक निधियों की लागत में कटौती को कम करने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि ऋण वृद्धि में मंदी, दर में कटौती के लिए आपसी जंग, उच्च अपचारिता का जोखिम और परिचालन लागत में वृद्धि के कारण लाभ को रद्द कर दिया गया था।

चुनौतियां जिसका सामना बैंकों को करना पडता है, उसमें विमुद्रीकरण के बाद जमाराशियों में वृद्धि के कारण कासा के उच्च संचयन, दोहरे तुलन पत्र की समस्याएं, अर्थात अति लीवरेज कॉर्पोरेट तथा बैंकों में अशोध्य ऋणों की बहुतायता के कारण नई जमाराशियों में मंदी, बैंकों के बीच दर की जंग, गहन आस्ति की गुणवत्ता संकट, बैंकों के नए सेट से बढ़ती प्रतिस्पर्धा तथा लेस कैश समाज की तरफ रुख करना शामिल है।

विकास की संभावनाएं हालांकि खुदरा, कृषि, एमएसएमई और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में उपलब्ध हैं जिसमें, उधार ब्याज दर में कटौती, बजट में घोषणा की गई पहले एवं सुविधाएं, सीजीटीएमएसई कवर में 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये तक की वृद्धि तथा किफायती आवास सहित, क्षमता निर्माण और बुनियादी ढांचे पर सरकार की खर्च में बढ़ोतरी आदि सहायक के रूप में है।

भविष्य की ओर

आनेवाले कई नीतिगत पहलुओं से, भारतीय अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन की कगार पर है। दोनों, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सकारात्मक कारोबारी भावनाओं को प्रोत्साहित करने, उपभोक्ताओं में विश्वास को बेहतर बनाने तथा मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए उठाए गए अनेक पहलों पर विचार करते हुए देश के आर्थिक विकास की बढ़ने की संभावना है। मूलभूत संरचनाओं पर लगाए जानेवाले धनराशि मे वृद्धि होने के कारण रुकी हुई परियोजनाएं फिर से शुरू हो रही हैं और उन्हे त्वरित रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है तथा इन सुधारों से आर्थिक व्यवस्था में वृद्धि के आसार हैं। यह सब भारत मे बैंकिंग क्षेत्र के उच्चतर वृद्धि के सकारात्मक संकेतक हैं क्योंकि बढ़ते हुए व्यापारिक ऋणों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना बैंकों का काम होगा ।

भारत सरकार द्वारा अधिक कार्य क्षमता एवं प्रभावोत्पादकता के लिए डिजिटल प्रणाली की ओर जाने के कारण. बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए अपनी प्रौद्योगिकी का उन्नयन कर रही है ।प्रौद्योगिकी मूलभूत संरचना के क्षेत्र में हुई प्रगति, जिसके कारण मोबाइल बैंकिंग एवं इंटेरनेट बैंकिंग सेवाएँ प्रचलित हुई हैं, बैंकों द्वारा दिए जा रहे डिजिटल सुविधाओं को सहायता प्रदान करेंगी ।

आभारोक्तियां

मैं अपने मूल्यवान ग्राहको से प्राप्त अनविरत समर्थन तथा मार्गदर्शन को आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिसके बिना उत्कृष्टता की खोज संभव नहीं हो पाता। मैं अन्य हितधारकों से प्राप्त समर्थन को अभिज्ञात करना चाहता हूं और उन सबको अपने सतत सहयोग के लिए आभारी हूं । मैं, आप सब मूल्यवान शेयरधारकों को बैंक में निरन्तर विश्वास रखने के लिए फिर से एक बार निष्ठा से आभार व्यक्त करना चाहता हूं ।

मैं इस अवसर पर बैक के पूरे कार्यबल को उनके समर्पित तथा सराहनीय प्रयास को निष्ठापूर्ण सराहना देना चाहता हूं जिन्होने नोटबंदी के दौरान एकजुट होकर निष्ठा से आम जनता तथा ग्राहकों को सेवा प्रदान की । यह साबित करता है कि हरेक कठिन परिस्थिति को साहस ओर संकल्प के साथ सामना कर सकते हैं । उनके अनविरत असाधारण प्रयासों से, मुझे विश्वास है कि बैंक नये वित्तीय वर्ष में चुनौतियो से परे होकर उत्कृष्टता के शिखर पर आगे चलेगा ।

शुभकामनाओं के साथ

आपका

टी सी वेंकट सुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

Chairman's Message

Shri. T C Venkat Subramanian
Non-Executive Chairman

Dear Shareholders,

On behalf of the Board of Directors, it gives me great pleasure to place before you the highlights of your Bank's performance during the financial year 2016-17.

Details of the achievements and initiatives taken by your Bank are provided in the enclosed Annual Report for the year.

Given the unique and evolving circumstances, I am grateful to our customers who have continued to repose their trust in us. I am very happy to report that, your Bank has emerged as one of the best performing banks in Asia in terms of market value despite the economic uncertainty surrounding the banking sector. Your Bank has been continuously performing better than its peers in various parameters and has taken conscious decision to place itself as a leader.

> **Digital India will play a vital role in driving the Indian economy's growth trajectory aided by improved investor confidence, lower food prices and better policy reforms**

Performance of Banking Sector:

The Indian banking industry faced challenging times during the year due to the economic slowdown and rising NPAs in balance sheets of Public Sector Banks. As a result, preservation of asset quality took precedence and a cautious approach towards growth was adopted by most of the banks. Your Bank took earnest efforts to rebalance the asset portfolio from Corporate to a mix of Retail and Mid Corporate segment. More focus was given to increase Retail business and selective approach was adopted for Corporate credit, matching the risk appetite for such credit.

As a strategic move, based on its expertise, Bank decided to position itself as **'Mid Sized Bank with Focus on Retail and Mid-Segment'** by creating three separate Verticals for Mortgage Loan, SME Loan and Other Retail Loan. Towards this objective, Specialized branches were opened and dedicated for growth in Retail sector viz., Ind-Retail, Ind-MSME, Ind-Mid Corporate for focused attention to offer end to end solution with reduced turnaround time.

Apart from the normal business, Bank has always has had its sight on its national goals. I am happy to announce that the Bank has surpassed all its national goals set under Priority Sector lending for each category viz., Level of 42.31% (Mandatory 40%) under Priority Sector advances, 19.95% (18%) in Agriculture, 12.08%(10%) for Advances to weaker sections and 7.87% (7%) in lending to Micro Enterprises under MSME.

Economic Overview – Global

Global economic outlook has considerably improved since 2016 on the back of improved policy outlook in advanced economies. IMF in its World Economic Outlook (WEO) raised its projection for 2017 global growth to 3.5 percent and is expected to rise to 3.6 percent in 2018. However, the rising threat of protectionism is a concern as it may lead to trade wars particularly among the advanced economies.

Growth in advanced economies is projected to increase on the back of strong recovery in United States in terms of proposed fiscal stimulus, policy directions, improved employment data and inflation outlook. Growth is expected to remain solid in the United Kingdom (making a recovery post Brexit decision in June 2016) and increased economic activity in Japan on strong export performance. The general outlook for advanced economies in Europe and Asia is expected to be positive as most of them are expected to make a cyclical recovery in economic activity.

Emerging and developing economies is expected to grow further to 4.5 per cent and 4.8 per cent in 2017 and 2018. While general outlook for developing economies is positive, but country-wise the outlook remained mixed. China is expected to post a positive growth spurred by strong policy support while India is gaining its momentum back post demonetisation.

Economic Overview – Domestic

Domestic economy's forecast would not be apt, if the impact and effect of demonetisation is not addressed. This move by the Government was iconic as it had not only set the ball rolling on large scale economic reforms, it also aimed to put an end to rising socio-economic evil of corruption.

As per the latest Gross Domestic Product (GDP) released by the Central Statistics Office second advance estimates, the growth in GDP (constant prices) for 2016-17 is to be at 7.1% as against 7.9% in 2015-16. While Gross Value Added (GVA) at basic prices is estimated to grow at 6.7% in 2016-17 compared to 7.7% in 2015-16. The GDP growth for the third quarter was higher-than-expected considering the quarter was when the demonetisation took place in the economy. The marginal impact of demonetisation on GDP could be because of two reasons, viz. the impact of unorganised sector (which took the biggest impact as it was primarily cash centric sector) was not captured completely and sharp increase in transactions through digital channels to ease the consumption shock.

Gross Domestic Product (GDP) is estimated to grow at 7.1% in 2016-17 compared to 7.9% in 2015-16). The relatively higher growth in GDP compared to GVA in 2016-17 is attributed to the robust tax collections during the demonetisation period where hoarders of old currencies (₹500 and ₹1000) were allowed to pay tax.

The outlook for the current financial year 2017-18 is contingent upon the transient effect of demonetisation, rollout of GST, impact of 7th Central Pay Commission and effect of global economic policies on the domestic economic development. All these factors together will work simultaneously shaping the economic development in the forthcoming year.

Bank's Business and Financial Achievements

Against this backdrop, I would like to give an overview of the Bank's performance in important parameters.

- Bank's Business grew modestly by 1.20% to ₹3,14,654 crore as on 31st March 2017. While Deposits grew by ₹4223 crore or 2.37% to ₹1,82,509 crore, Advances stood at ₹1,32,145 crore.
- Operating profit of Bank for FY 2016-17 was at ₹4000.71 crore, while Net Profit stood at ₹1405.68 crore.
- Networth of Bank increased to ₹14,461.59 crore as on 31st March 2017.
- Earnings per share for FY 2016-17 and Book value per share were at ₹29.27 and ₹301.10 respectively. Return on Equity was at 9.97% for FY 2016-17.
- Bank's financial soundness as reflected by the CRAR (Capital to Risk weighted Assets Ratio) was strong at 13.64% under Basel III as on 31st March 2017. Bank is consistently at the top in respect of this ratio and is adequately capitalized.

Banking sector – Challenges and opportunities in 2017 - 18:

Green shoots are becoming visible after a long period of stress in the banking sector after most banks seen to have repaired their balance sheets post asset quality review exercise carried out by RBI. Thanks to demonetization, banks are flush with abundant liquidity and strong treasury income as these surplus funds found their way into the money market, lowering bond yields. Banks were not able to capitalize on the reduction in cost of funds as the advantage was nullified by muted credit growth, rate cut wars, risk of higher delinquencies and increased operational costs.

The challenges which the banks face include accretion in deposits post demonetization leading to higher accumulation of CASA, slowdown in fresh advances due to twin balance sheet problems i.e. over leveraged corporates and pile of bad loans in banks, rate wars amongst banks, deepened asset quality woes, increasing competition from new set of banks and migrating towards less cash society.

Pockets of growth however are available in Retail, Agriculture, MSME and Infrastructure sectors aided by lending rate cuts, initiatives and sops announced in the Budget, increase in CGTMSE cover from ₹1 crore to ₹2 crore and increased Government spending on capacity building and infrastructure creation, including affordable housing.

Road Ahead

With several policy initiatives on the anvil, the Indian economy is on the brink of a major transformation. The country's economic growth is likely get an impetus considering the number of initiatives taken by both the Government of India and Reserve Bank of India to stimulate positive business sentiments, improve consumer confidence and control inflation. With spending on infrastructure getting enhanced, stalled projects getting revived and put on the road for speedy implementation and continuation of reforms are expected to prop up growth in the Economy. All these are positive indicators towards prospects of robust growth for India's banking sector as the credit needs of the rapidly growing business have to be fuelled by the banks.

With Government of India's push towards digitalization for enhanced efficiency and effectiveness, banking sector is laying greater emphasis on providing improved services to their clients by upgrading their technology infrastructure. Advancements in technology which have brought the mobile and internet banking services to the fore would be assisting the banks in this digital journey.

Acknowledgements:

I would like to acknowledge the unstinted support and guidance from our valued customers without which our sustained quest for excellence would not have been possible. I would like to place on record the support of all other stakeholders and I am grateful to each one of them for their continued cooperation. I wish to sincerely thank you all, the valuable shareholders again for your continued confidence in your Bank.

I would also like to take this opportunity to express my sincere appreciation for the dedicated and commendable efforts of the entire work force of the Bank which rose in unison during the demonetisation period to serve the general public and customers with utmost sincerity. This proves that with grit and determination every difficult situation can be overcome. With their continued extraordinary efforts, I am confident that the Bank, undaunted by the challenges would march ahead in the new Financial Year towards its pinnacle of excellence.

With best wishes

Yours sincerely

T C VENKAT SUBRAMANIAN
NON-EXECUTIVE CHAIRMAN